सृजन प्रतिवेदन
(रिपोर्ट)
जनवरी से अप्रैल 2016

'सृजन ' (हिंदी रचनात्मक लेखन समिति) छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समय –समय पर प्रतियोगिताओं को आयोजित करती रहती है।इसका एक सफल प्रयास 'अंतःमहाविद्यालयी विधागत रूपांतरण प्रतियोगिता ' के तहत किया गया। 4 फरवरी , 2016 को इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कविता की पंक्तियों का नाटक , कहानी तथा लेख में रूपांतरण किया।यह सचमुच एक सराहनीय प्रयास रहा।निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. मनोज कुमार तथा डॉ. नीरू कुमारी थे । बी. ए. आनर्स तृतीय वर्ष की छात्रा गरिमा को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कॉलेज फेस्ट ' उल्लास ' के अंतर्गत 'अंतर्महाविद्यालयी रचनात्मक लेखन प्रतियोगता' का आयोजन 06 अप्रैल 2016 को किया गया। इसका विषय था –– 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मायने '। विभिन्न विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लिया। निर्णायक मंडल में डॉ. मधुरिमा काहली और डॉ. विभा गुप्ता थी। प्रथम पुरस्कार प्रीति कौर (बी. ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष, कमला नेहरू कॉलेज) को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की बी. ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष की छात्रा नेहा तंवर को दिया गया। तृतीय पुरस्कार एम. ए. पूर्वार्द्ध के छात्र सूरज भान(अरविन्दो कॉलेज) को दिया गया।

'अंतर्महाविद्यालयी मौलिक कविता प्रतियोगिता' को 'सृजन' द्वारा 14 मार्च 2016 को आयोजित किया गया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ.स्नेहलता नेगी और डॉ. सपना चमड़िया ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए अपनी कुछ कविताओं का पाठ भी किया। इसमें प्रथम , द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः मो. वासिम खान (दयाल सिंह सांध्य), काजल (गार्गी कॉलेज) और पिंकी (गार्गी कॉलेज) ने प्राप्त किये। दो सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गये। प्रथम सांत्वना पुरस्कार सूरज राव (अरविन्दो कॉलेज) एवं दूसरा सांत्वना पुरस्कार पिंकू झा (रामानुजन कॉलेज) को प्रदान किया गया। चल वैजयंती पुरस्कार का पुरस्कार गार्गी कॉलेज को प्रदान किया गया।

इस प्रकार 'सृजन' ने विद्यार्थियो में रचनात्मकता को बढ़ावा देने का उल्लेखनीय प्रयास किया है।